Self Respect

27-06-2014

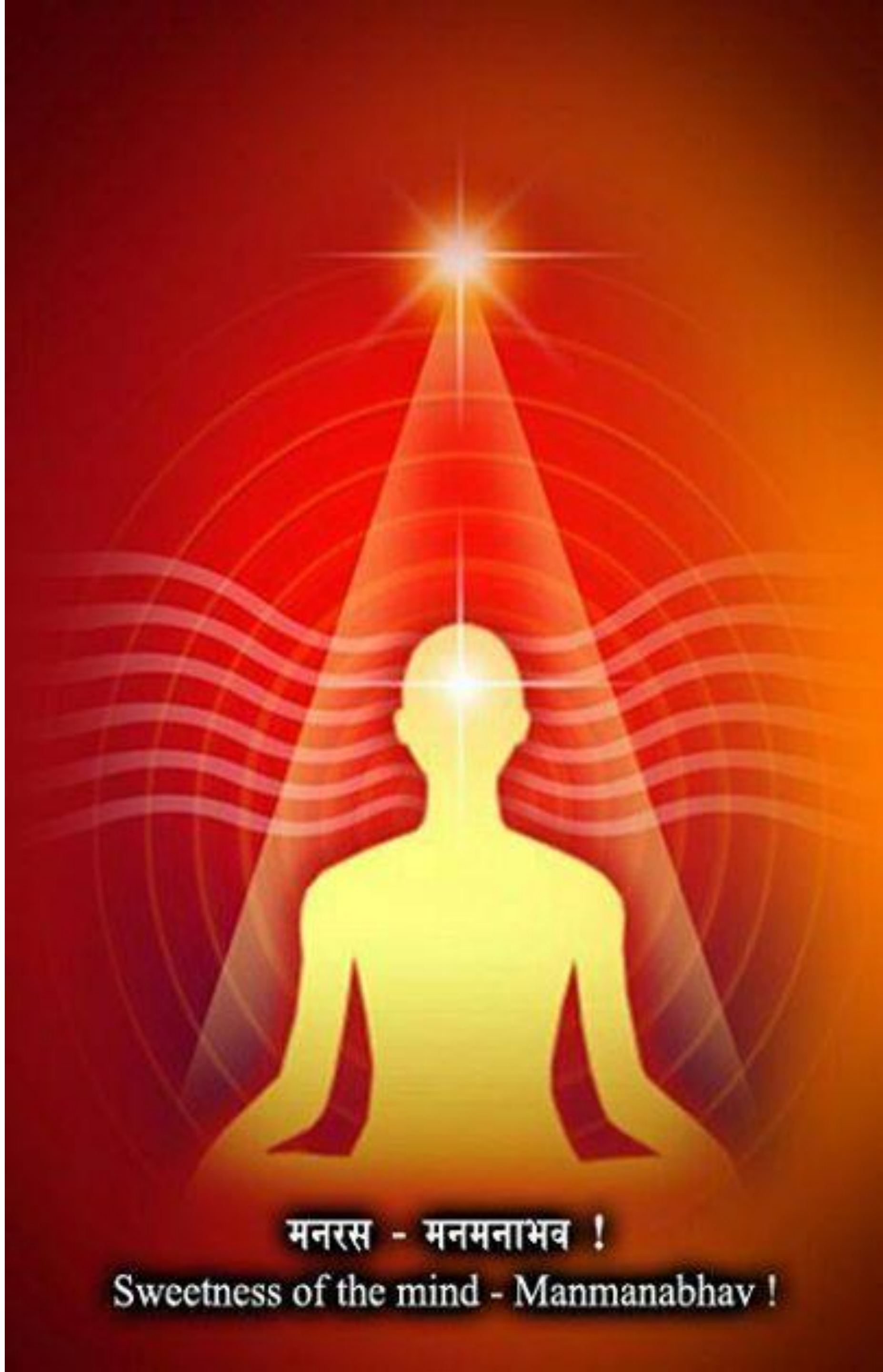

✓बाबा समझाते हैं बच्चों को अन्दर में जरूर आता होगा कि यह हमारा बेहद का बाप भी है, बेहद की शिक्षा भी देते हैं । जितना बड़ा बाबा उतनी शिक्षा भी बड़ी बेहद की देते हैं । रचना के आदि-मध्य- अन्त का राज भी बच्चों की बुद्धि में है । जानते हैं बाप इस छी-छी दुनिया से हमको वापस ले जायेंगे । यह भी अन्दर में याद करने से मनमनाभव ही है । चलते-फिरते उठते-बैठते बुद्धि में यही याद रहे । वन्डरफुल चीज को याद करना होता है ना । तुम जानते हो अच्छी रीति पढ़ने से, याद करने से हम विश्व के मालिक बनते हैं ।

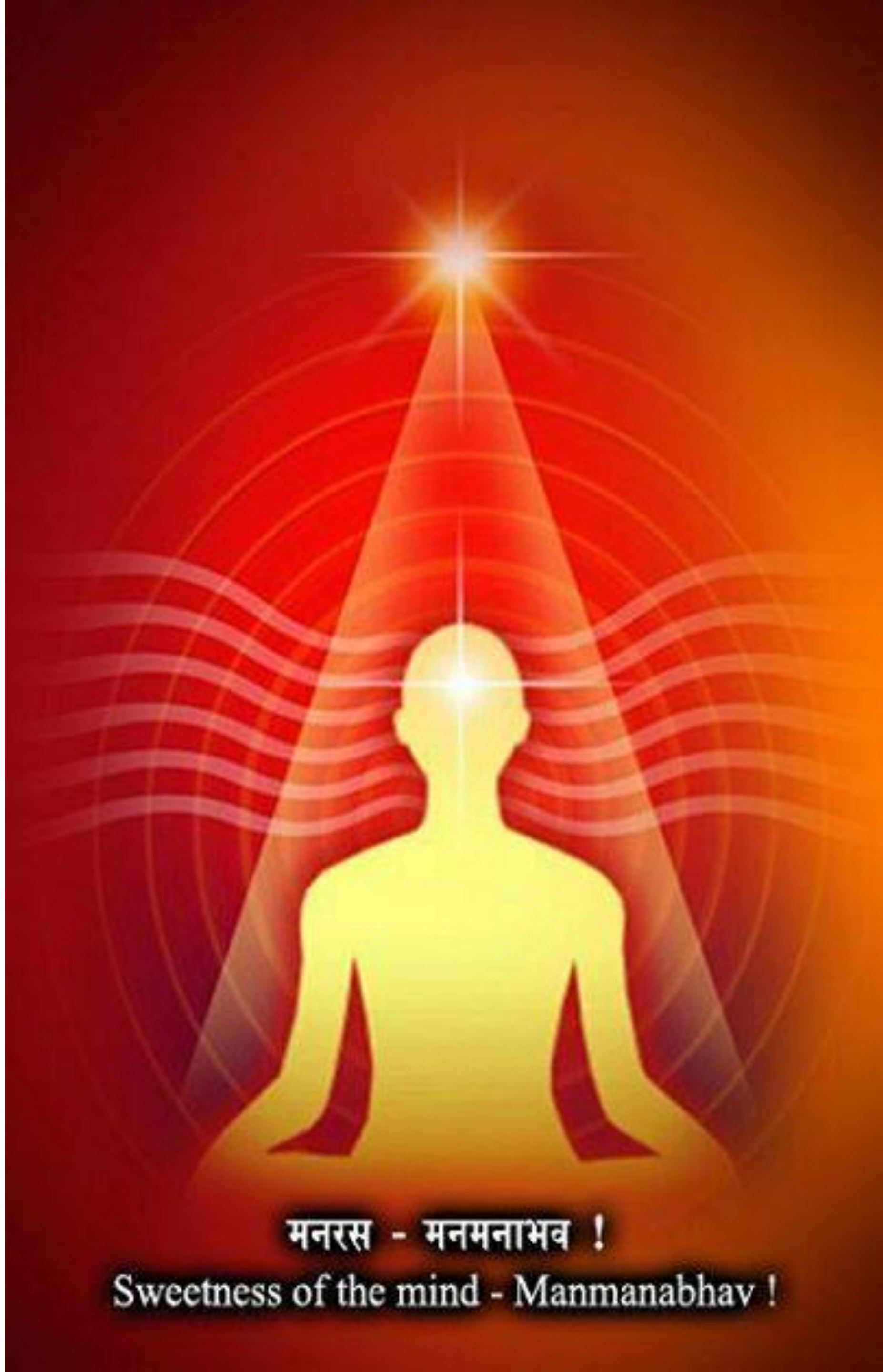

- ✓ पुरानी सृष्टि का विनाश तो होना ही है । यह अनेक बार देखा है और देखते रहेंगे । पढ़ते ऐसे हैं जैसे कल्प पहले पढ़े थे । राज्य लिया फिर गँवाया फिर अब ले रहे हैं । बाप फिर से पढ़ा रहे हैं । कितना सहज है । तुम बच्चे समझते हो हम सच-सच विश्व के मालिक थे । फिर बाबा आकर हमको वह ज्ञान दे रहे हैं । बाबा राय देते हैं ऐसे-ऐसे अन्दर में चलना चाहिए ।
- ✓ बच्चों को अन्दर में कितनी खुशी रहनी चाहिए । बाप नॉलेज भी हर बात की देते हैं । जो कल्प-कल्प देते हैं । बाप कहते हैं कम से कम इस रीति मुझे याद करो । कल्प-कल्प तुम ही समझते हो और धारण करते हो । इनका बाबा तो कोई है नहीं, वही बेहद का बाप है । वन्डरफुल बाप हुआ ना । मेंरा कोई बाबा है बताओ? शिवबाबा किसका बच्चा है? यह पढ़ाई भी वन्डरफुल है जो इस समय के सिवाए कब पढ़ नहीं सकते और सिर्फ तुम ब्राह्मण ही पढ़ते हो । तुम यह भी जानते हो कि बाप को याद करते-करते हम पावन बन जायेंगे।

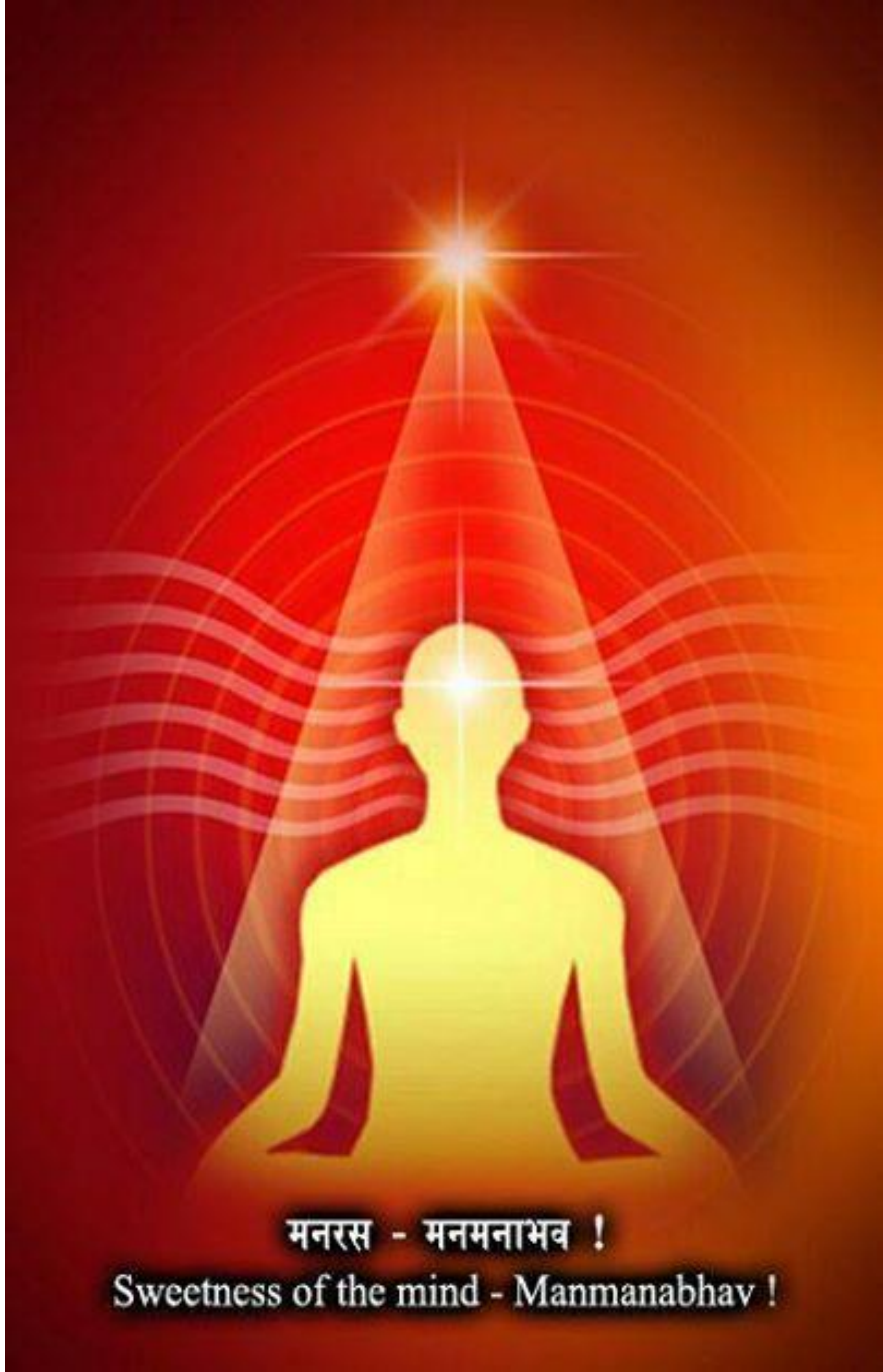

✓यह पढ़ाई ही तुम्हारे साथ चलनी है । पढ़ाई से ही मनुष्य बैरिस्टर आदि बनते हैं । बाप की यह नॉलेज न्यारी और सत्य है । और यह है पाण्डव गवर्मेंट, गुप्त । तुम्हारे सिवाए दूसरा कोई समझ नहीं सकते । यह पढ़ाई वन्डरफुल है । आत्मा ही सुनती है ।

✓एक बाप को ही देखना है । बाप कहते है मीठे-मीठे बच्चों मंजिल बहुत ऊंची है । विश्व का मालिक बनने के लिए दूसरा कोई तो ट्राय भी न कर सके । कोई की भी बुद्धि में न आ सके ।

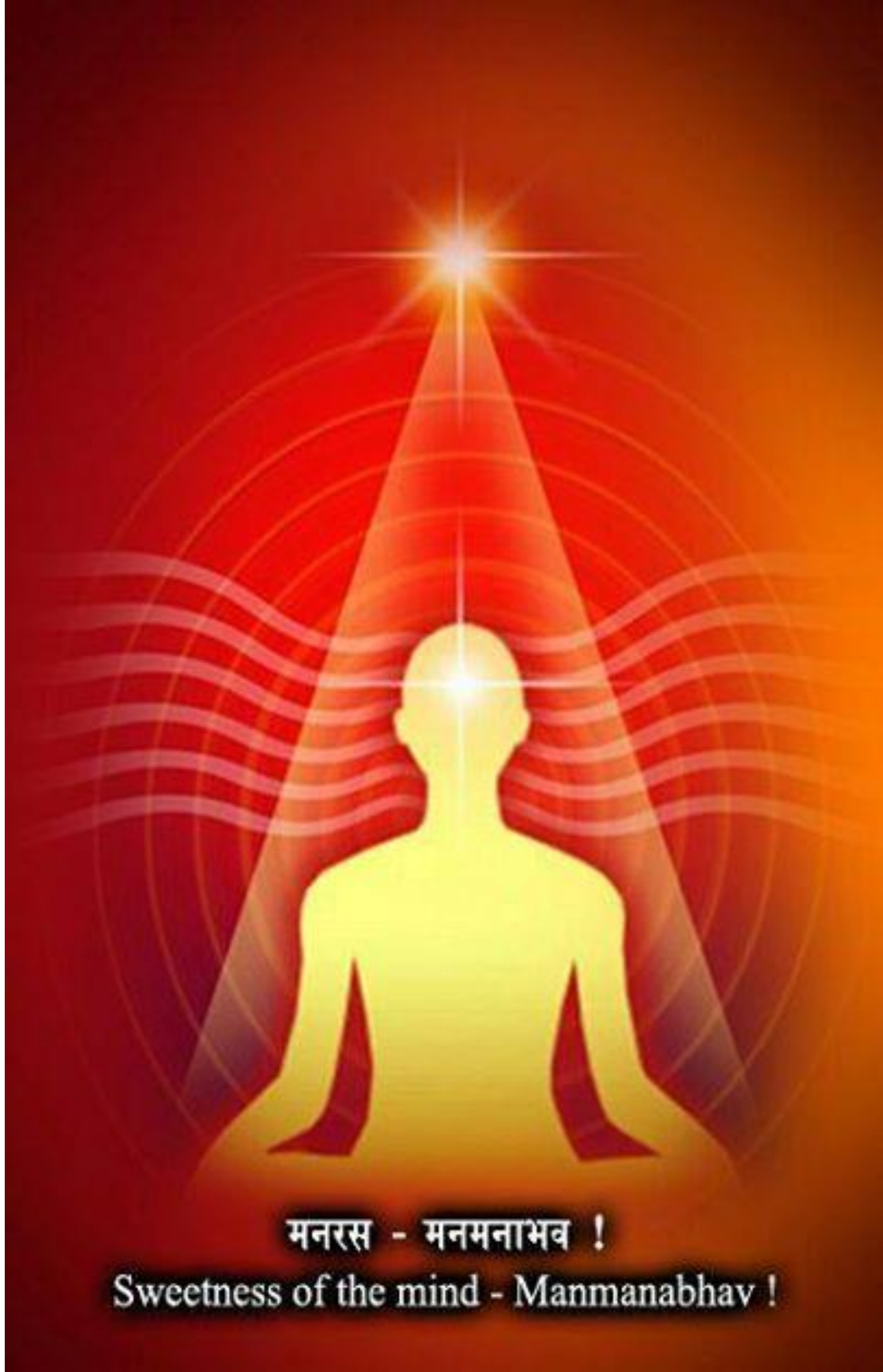

✓ भल यह तो सब कहते रहते हैं हे ईश्वर । परन्तु यह थोड़ेही समझते हैं कि वह बाप, टीचर, गुरू भी है । यह तो साधारण रीति से बैठे रहते हैं । यह ऊपर संदली पर भी इसलिए बैठते हैं कि मुखड़ा देख सकें । बच्चों पर प्यार तो रहता है ना । इन मददगार बच्चों बिगर स्थापना थोड़ेही करेंगे । जास्ती मदद करने वाले बच्चों को जरूर जास्ती प्यार करेंगे । जास्ती कमाने वाला बच्चा अच्छा होगा तो जरूर ऊच ते ऊंच पद लेगा । उस पर प्यार भी जाता है । बच्चों को देख-देख हर्षित होते हैं । आत्मा बहुत खुश होती है । कल्प-कल्प बच्चों को देख खुश होता हूँ । कल्प-कल्प बच्चे ही मददगार बनते हैं । बहुत प्यारे लगते हैं । कल्प-कल्पान्तर का प्यार जुट जाता है ।

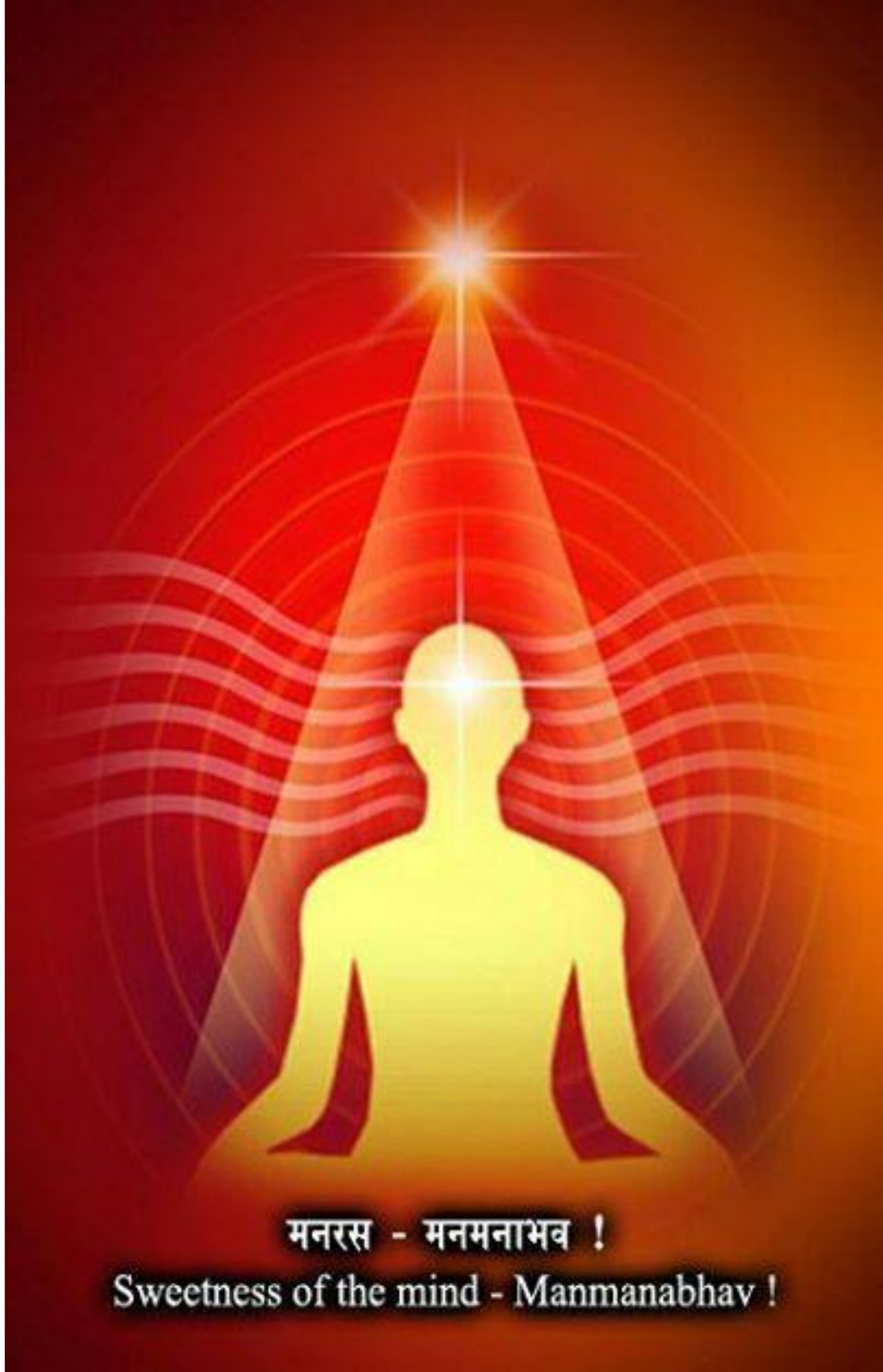

- ✓हरेक एक्टर को अपना पार्ट मिला हुआ है । बेहद के बाप से हम ही बेहद की बादशाही लेते हैं । हम ही मालिक थे । वैकुण्ठ होकर गया है, फिर जरूर होगा । कृष्ण नई दुनिया का मालिक था । अब पुरानी दुनिया है फिर जरूर नई दुनिया का मालिक बनेगा । चित्र में भी क्लीयर है । तुम जानते हो- अब हमारी लात नर्क की तरफ, मुँह स्वर्ग की तरफ है, वही याद रहता है । ऐसे याद करते-करते अन्त मती सो गति हो जायेगी ।

- ✓गुरू आदि कोई ऐसी नॉलेज दे नहीं सकते । तुम्हें गृहस्थ में रह पवित्र बनना है, राजाई लेना है । भक्ति में बहुत टाइम वेस्ट किया है ।

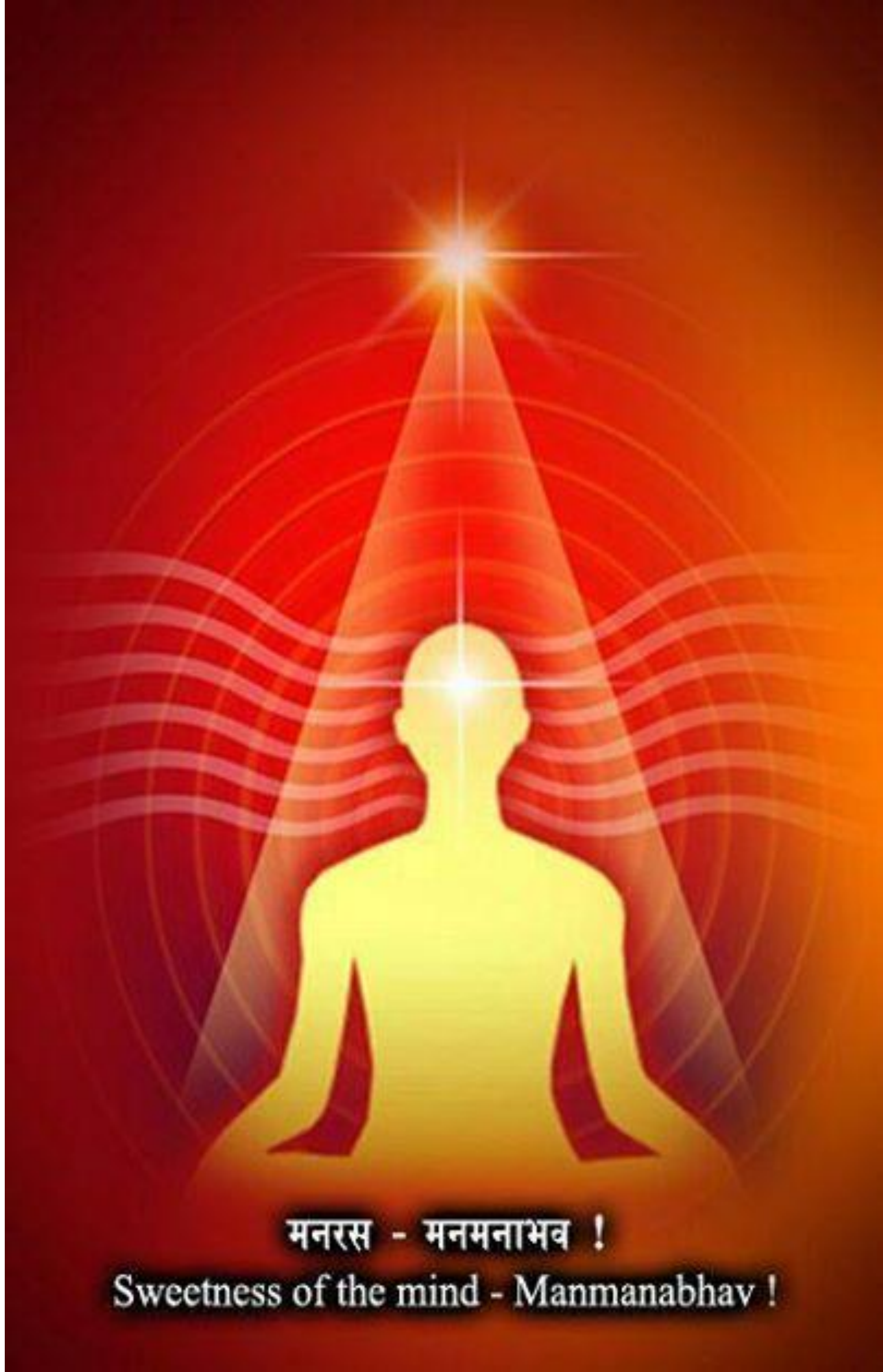

✓ वरदान: त्रिकालदर्शी की सीट पर सेट हो हर कर्म करने वाले शक्तिशाली आत्मा भव
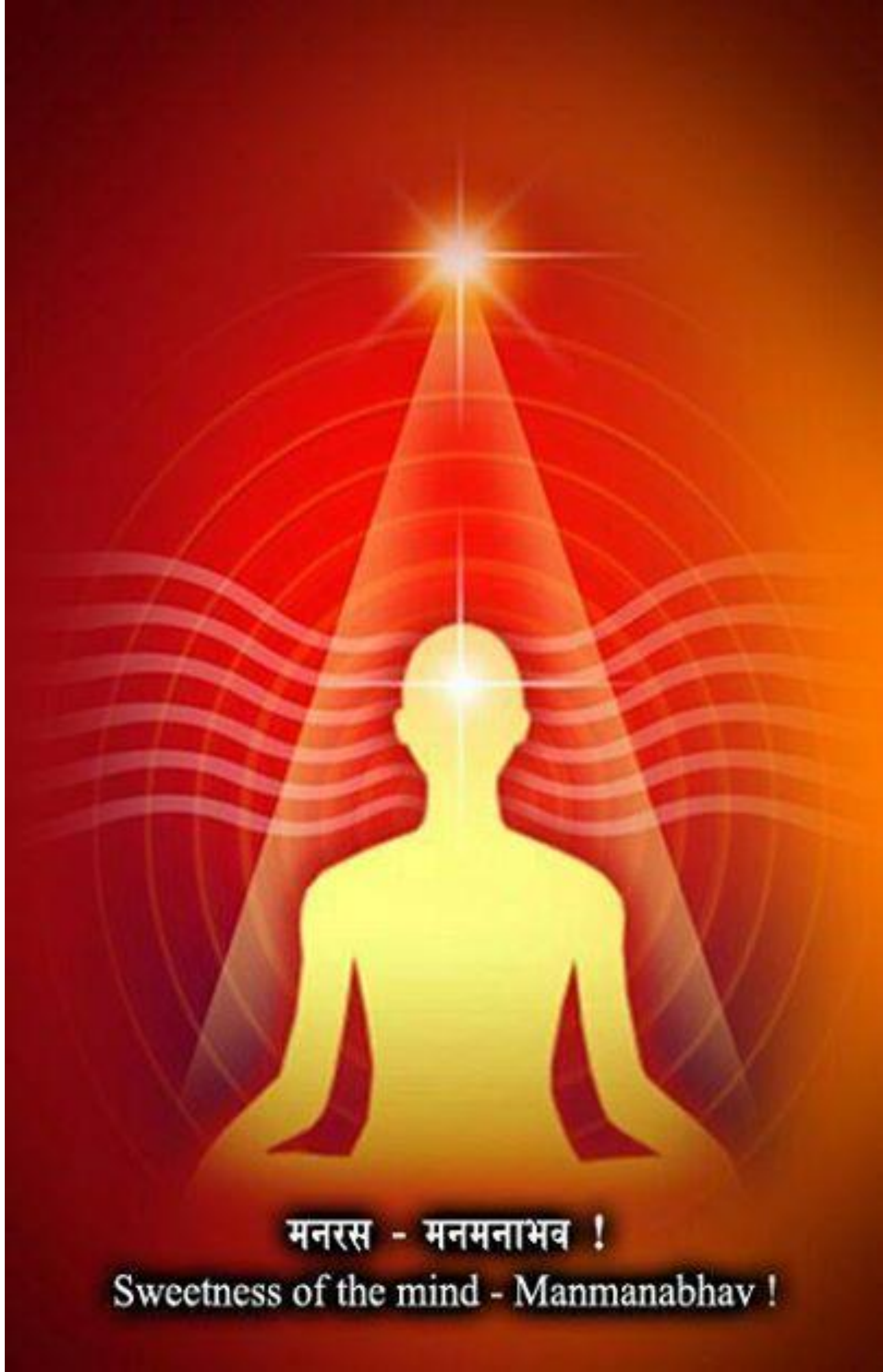
✓ अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।